राजस्थान के मुख्यमंत्री एवं उनके द्वारा किए गए विशिष्ट कार्य –

मुख्यमंत्री	विशिष्ट कार्य
श्री टीकाराम पालीवाल	भूमि सुधार
श्री जयनारायण व्यास	दस्यु आतंक उन्मूलन
श्री मोहनलाल सुखाड़िया	इंदिरा गांधी नहर एवं पंचायती राज संस्था
श्री भैरोसिंह शेखावत	अंत्योदय योजना, काम के बदले अनाज योजना
श्री हरिदेव जोशी	माही बांध
श्री अशोक गहलोत	प्रशासनिक मितव्ययता, विद्युत सुधार, अतिक्रमण मुक्त, सूचना का अधिकार अधिनियम, सुनवाई का अधिकार, राजस्थान लोक सेवा गारंटी अधिनियम
श्रीमती वसुंधरा राजे	महिला सशक्तीकरण

राजस्थान के मुख्यमंत्री एवं उनका कार्यकाल

क्र. सं.	मुख्यमंत्री	कार्यकाल		टिप्पणी
		कब से	कब तक	
1.	श्री हीरालाल शास्त्री	07.04. 1949	05.01.1951	• जयपुर राज्य के गृह और विदेश विभागों के सचिव भी रहे। • वनस्थली में जीवन कुटीर की स्थापना। • वनस्थली विद्यापीठ की स्थापना (यहीं इनका समाधि स्थल है)। • 1947 में संविधान सभा के सदस्य चुने गए। • 1948 में जयपुर राज्य के प्रधानमंत्री बने। • 30 मार्च 1949 राज. राज्य की स्थापना पर प्रथम मुख्यमंत्री लोक सभा सदस्य भी रहे। • इनके ऊपर डाक टिकट भी जारी किया। • 1949 में संभागीय व्यवस्था की शुरुआत की। • जयपुर राज्य प्रजामंडल के दो बार अध्यक्ष

				रहे। • आत्मकथा– 'प्रत्यक्ष जीवन शास्त्र' • लोकप्रिय गीत– 'प्रलय प्रतीक्षा नमो नमः' • हीरालाल शास्त्री की पत्नी रतन शास्त्री राजस्थान की एकमात्र महिला जिन्हें पद्म श्री व पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया।
2.	श्री सी.एस. वैंकटाचारी	06.01. 1951	26.04.1951	• 1992 में भारतीय सिविल सेवा में आए। • उत्तर प्रदेश में नौकरशाह के बतौर सेवाएँ दी। • बीकानेर राज्य के प्रधानमंत्री रहे। • राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद सचिव रहे। • कनाड़ा में भारत के उच्चायुक्त रहे। • Witness to the entury नामक पुस्तक लिखी। • जोधपुर राज्य के दीवान भी रहे। • संविधान सभा के सदस्य रहे। • राजप्रमुख के सलाहकार भी रहे। • इनके कार्यकाल की अवधि में ICS अधिकारियों का मंत्रिमण्डल कार्यरत रहा।
3.	श्री जयनारायण व्यास	26.04. 1951 01.11. 1952	03.03.1952 12.11.1952	• मारवाड़ हितकारिणी सभा, जोधपुर प्रजामण्डल, यूथ लीग मारवाड़ लोक परिषद के संस्थापक। • 1948 जोधपुर राज्य के प्रधानमंत्री बने। • 1952 में प्रथम विधानसभा चुनाव हारने पर टीकाराम पालीवाल मुख्यमंत्री बने। • 'किशनगढ़' के उपचुनाव में जीतने पर पुनः मुख्यमंत्री बने (1 नवम्बर 1952) • राज्यसभा के 2 बार सदस्य चुने गए। • मुख्यमंत्री रहते हुए विधानसभा चुनाव हार गए।

				• केंद्र द्वारा मनोनीत होने वाले तीसरे मुख्यमंत्री। • प्रथम विधानसभा चुनाव इनके नेतृत्व में। • मुख्यमंत्री बनने से पहले किसी भी मंत्रिपरिषद् में मंत्री नहीं रहे। • इनकी स्मृति में डाक टिकट जारी हुआ।
4.	श्री टीकाराम पालीवाल	03.03. 1952	31.10.1952	• प्रथम निर्वाचित मुख्यमंत्री • प्रथम आम चुनाव में 140 निर्वाचित क्षेत्रों से 160 सीटों पर चुनाव हुए (120 निर्वाचन क्षेत्र एक सदस्यीय, 20 निर्वाचन क्षेत्र द्विसदस्यीय) • जय नारायण व्यास की सरकार में मंत्री रहे। फिर मुख्यमंत्री बने। • 2 बार एम.एल.ए. एक बार लोक सभा (स्वतंत्र) सदस्य रहे। • राज्यसभा सदस्य भी रहे। • मुख्यमंत्री बनने के बाद उप मुख्यमंत्री रहे (ऐसे पहले व्यक्ति) • दो विधानसभा क्षेत्र मलारना चौड़ व महवा से विधायक रहे।
5.	श्री जयनारायण व्यास	01.11. 1952	12.11.1954	
6.	श्री मोहनलाल सुखाड़िया	11.11. 1954	11.04.1957	• मुम्बई की छात्र राजनीति में रहते हुए अंग्रेजों का विरोध किया। • मेवाड़ प्रजामण्डल में शामिल हुए। • राजस्थान संघ के समय सिंचाई व श्रम मंत्री रहे। • जयनारायण व्यास सरकार में राजस्व, सिंचाई व श्रम जैसे विभागों में मंत्री रहे। • जयनारायण व्यास द्वारा 'राम राज्य परिषद' को कांग्रेस में शामिल करने का विरोध हुआ। जिसके बाद हुए विश्वास मत में मोहनलाल सुखाड़िया ने जयनारायण व्यास को 8 मतों
		13.04. 1957	11.03.1962	
		12.03. 1962	13.07.1971	
		26.04. 1967	09.07.1971	

				से हराया एवं राजस्थान के मुख्यमंत्री बने। • राजस्थान जमींदारी और बिस्वेदारी उन्मूलन अधिनियम–1959 इनके समय में पारित हुआ। • तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक के राज्यपाल भी रहे। • इन्हें "आधुनिक राजस्थान का निर्माता" भी कहा जाता है। • 38 वर्ष की उम्र में मुख्यमंत्री बने। जो सबसे कम उम्र में मुख्यमंत्री बनने का रिकॉर्ड है। • पंचायती राज व्यवस्था– 1959 शुरु की। नागौर के बगरदी गांव में शुभारंभ हुआ। • उस समय के केंद्रीय पंचायतीराज मंत्री सरन कुमार जो बाद में नागौर से सांसद बने। • सर्वाधिक अवधि के लिए व सर्वाधिक चार बार मुख्यमंत्री रहे। • इनके कार्यकाल में पहली महिला मंत्री श्रीमती कमला बेनीवाल बनी। • 1962 में 1949 से शुरु की गई संभागीय व्यवस्था को बंद कर दिया गया। • मुख्यमंत्री रहते हुए सर्वाधिक विधानसभाओं का सामना करने वाले नेता रहे। • नाथद्वारा मंदिर में सोने की गड़बड़ी का आरोप लगा इस दौरान अंतरजातीय विवाद रहा और नाथद्वारा बाजार बंद रहे। • उत्कृष्ट क्रिकेट खिलाड़ी थे। • इंदिरा गांधी नहर चालू हुई। • स्वतंत्रता पश्चात् किसी राज्य में सत्तारुढ़ दल के विधायक दल के नेता पद के लिए पहला मुकाबला राजस्थान में 06 नवम्बर 1954 में रहा जिसमें मोहन लाल सुखाड़िया ने तात्कालीन मुख्यमंत्री श्री जयनारायण व्यास को हराया।

7.	श्री बरकतुल्ला खाँ	09.07. 1971	11.10.1973	• जोधपुर निवासी बरकतुल्ला खाँ की 11 अक्टूबर 1973 को हार्ट अटैक से उनके कार्यालय में मृत्यु हुई। • 1971 के भारत–पाक युद्ध के समय मुख्यमंत्री थे।
8.	श्री हरिदेव जोशी	11.10. 1973	29.04.1977	• बांसवाड़ा से लगातार 8 बार विधायक। • असम, मेघालय और पश्चिम बंगाल के राज्यपाल रहे। • इनके नाम पर जयपुर में पत्रकारिता विश्वविद्यालय है। • सम्पूर्ण देश में एकमात्र विधायक जो प्रथम दस विधानसभा चुनाव में लगातार जीते। • देश में लगे आपातकाल के समय राज्य के मुख्यमंत्री थे। • तीन बार मुख्यमंत्री रहे लेकिन कभी कार्यकाल पूरा नहीं कर पाए। • विधानसभा में सरकार के मुख्य सचेतक भी रहे। • इनका एक हाथ कटा हुआ था। • विधानसभा में सती प्रथा विरोधी कानून पास करवाया। • इनके कार्यकाल में सरिस्का में केंद्रीय मंत्रिमण्डल की बैठक हुई थी।
9.	श्री भैरोंसिंह शेखावत	22.06. 1977	16.02.1980	• 8वें मुख्यमंत्री रहे। • उपराष्ट्रपति रहे। • मध्यप्रदेश से राज्यसभा सदस्य रहे। • 3 बार मुख्यमंत्री रहने वाले एकमात्र गैर कांग्रेसी। • 2002 में उपराष्ट्रपति के चुनाव में सुशील कुमार शिदें को हराया • 2007 में श्रीमती प्रतिभा पाटिल से राष्ट्रपति का चुनाव हारे।

				• 2 बार विपक्ष के नेता रहे। • पहली बार जनता पार्टी से मुख्यमंत्री बने, दूसरी बार भारतीय जनता पार्टी से मुख्यमंत्री बने। • राजस्थान पुलिस में निरीक्षक पद पर कार्य किया। • दस बार विधायक रहे। • इनके कार्यकाल में पहली बार विधानसभा समय से पहले भंग की गई। • राज्य में पहली बार मध्यावधि चुनाव हुए। • प्रथम बार मुख्यमंत्री बने तब राज्यसभा सदस्य थे, फिर कोर्ट छबड़ा से चुनाव लड़ा। • राज्य के प्रथम गैर–कांग्रेसी मुख्यमंत्री। • पद्म विभूषण से सम्मानित।
10.	श्री जगन्नाथ पहाड़िया	06.06. 1980	13.07.1981	• हरियाणा व बिहार के राज्यपाल रहे। • 4 बार लोक सभा सदस्य रहे एवं राज्यसभा सदस्य भी रहे। • राजस्थान के पहले दलित मुख्यमंत्री। • 25 वर्ष तीन महीने की आयु में पहली बार सांसद चुने गए। द्वितीय लोकसभा में सबसे युवा सांसद बने। • इनकी पत्नी श्रीमती शांति पहाड़िया भी लोकसभा सदस्या रही। • राज्य में पूर्ण शराब बंदी लागू की। • कवियत्री महादेवी वर्मा पर टिप्पणी करने के कारण इन्हें इस्तीफा देना पड़ा। • जब मुख्यमंत्री बने उस समय राज्य विधानसभा के सदस्य नहीं थे बल्कि बयाना से लोकसभा सदस्य व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की मंत्रिपरिषद में वित्त राज्य मंत्री थे।
11.	श्री शिवचरण माथुर	14.07. 1981	23.02.1985	• जन्म– मध्य प्रदेश

				• असम के राज्यपाल रहे। • लोकसभा सदस्य रहे। • शिक्षा, विद्युत, पीडब्ल्यूडी, जनसंपर्क, खाद्य और नागरिक आपूर्ति, कृषि,पशुपालन, डेयरी व आयोजना आदि विभागों के मंत्री रहे। • राजस्थान प्रशासनिक सुधार आयोग के अध्यक्ष रहे। • विधानसभा चुनाव के दौरान डीग विधानसभा के निर्दलीय उम्मीदवार श्री मानसिंह की पुलिस की गोली लगने से मृत्यु होने के बाद माथुर सरकार को इस्तीफा देना पड़ा। • यह उदयपुर के स्वतंत्रता सेनानी माणिक्यलाल वर्मा के दामाद थे।
12.	श्री हीरालाल देवपुरा	23.02.1985	10.03.1985	• मुख्यमंत्री के रूप में न्यूनतम कार्यकाल। • विधानसभा अध्यक्ष भी रहे। • राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष भी रहे। • मुख्यमंत्री रहते हुए कभी विधानसभा नहीं गए।
13.	श्री हरिदेव जोशी	10.03.1985	20.01.1988	• 1987 में संभागीय व्यवस्था को वापस शुरु किया।
14.	श्री शिवचरण माथुर	20.01.1988	04.12.1989	
15.	श्री हरिदेव जोशी	04.12.1989	04.03.1990	
16.	श्री भैरोंसिंह शेखावत	04.03.1990	15.12.1992	• अपनी सरकार बचाने के लिए 1990 में पहली बार निर्दलीय मंत्रिपरिषद में शामिल किए गए।
		04.12.1993	01.12.1998	
17.	श्री अशोक गहलोत	01.12.1998	08.12.2003	• 3 बार मुख्यमंत्री। • सुखाड़िया के बाद सर्वाधिक अवधि के लिए मुख्यमंत्री पद पर रहे। • AICC के महासचिव रहे।

				• केन्द्र सरकार में पर्यटन, नागरिक उड्डयन, खेल और टैक्सटाइल मंत्री रहे। • 5 बार लोकसभा सदस्य रहे। • 5 बार विधायक रहे (1999 से लगातार) • NSUI के अध्यक्ष रहे। • राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रहे। • इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, नरसिम्हा राव के मंत्रिपरिषद में मंत्री रहे। • शिवचरण माथुर की सरकार में गृहमंत्री रहे। • लोकसभा सदस्य रहते हुए मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। • **0000000000**
18.	श्रीमती वसुंधरा राजे	08.12. 2003	13.12.2008	• केंद्र सरकार में विदेश राज्य मंत्री रही। • 5 बार विधानसभा सदस्य और 5 बार लोकसभा सदस्य रही। • केंद्र सरकार में लघु उद्योग, कार्मिक, प्रशिक्षण, पेंशन प्रशासनिक सुधार, परमाणु ऊर्जा की राज्य मंत्री रही। • अंतरिक्ष विभाग का स्वतंत्र प्रभार संभाला। • राजस्थान भाजपा की अध्यक्षता रही। • राजस्थान विधानसभा में विपक्ष की नेता रही। • वर्तमान में भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष है। • 2003 से लगातार विधायक रही। 1985–90 में भी विधायक रही। • राजस्थान में सर्वाधिक बार लोकसभा सांसद बनने वाली महिला।
19.	श्री अशोक गहलोत	13.12. 2008	13.12.2013	
20.	श्रीमती वसुंधरा राजे	13.12. 2013	16.12.2018	

21.	श्री अशोक गहलोत	17.12. 2018	लगातार	

पहली विधानसभा में टीकाराम पालीवाल, जयनारायण व्यास, मोहनलाल सुखाड़िया मुख्यमंत्री रहे।

चौथी विधानसभा (मोहनलाल सुखाड़िया, बरकुतल्लाह खां) पांचवीं विधानसभा (बरकुतल्ला खां, हरिदेव जोशी) आठवीं विधानसभा (हरिदेव जोशी, शिवचरण माथुर) इन विधानसभाओं में दो–दो मुख्यमंत्री रहे।

7वीं विधानसभा में जगन्नाथ पहाड़िया, हीरालाल देवपुरा एवं शिवचरण माथुर मुख्यमंत्री रहे।

1990 या 9वीं विधानसभा से सभी विधानसभा में एक ही मुख्यमंत्री रहे।

सबसे ज्यादा 13 सत्र 5वीं विधानसभा में हुए।

सबसे कम 6 सत्र 6वीं विधानसभा में हुए।

सबसे ज्यादा 306 बैठक दूसरी विधानसभा में हई।

सबसे कम 95 बैठक 9वीं विधानसभा में हुई।

सबसे ज्यादा काम 1665.57 घंटे दूसरी विधानसभा में हुआ।

सबसे कम काम 691.52 घंटे 9वीं विधानसभा में हुआ।

राजस्थान विधान सभा में महिला प्रतिनिधित्वः– पहला आम चुनाव 1952 में सम्पन्न हुआ जिसमें चार महिलाओं ने भाग लिया चारों ही चुनाव हार गईं। प्रथम विधानसभा चुनाव 1952–57 की अवधि में उप चुनाव संपन्न हुए जिसमें बांसवाड़ा (सामान्य) की विधानसभा से 1953 में यशोदा देवी निर्वाचित होकर विधानसभा पहुंची। वे प्रजा सोशलिस्ट पार्टी से निर्वाचित होकर आई। प्रथम विधानसभा में उप चुनाव में दूसरी महिला श्रीमती कमला बेनीवाल थी जो 1954 में विधायक निर्वाचित हुई। सबसे ज्यादा महिलाओं ने 2018 के चुनाव में भाग लिया।

सबसे ज्यादा महिला विधायक 2008 (28) व 2013(28) थीं।

महत्वपूर्ण तथ्य –

- राजस्थान के प्रथम मनोनीत मुख्यमंत्री – हीरालाल शास्त्री
- प्रथम निर्वाचित मुख्यमंत्री – टीकाराम पालीवाल
- सर्वाधिक कार्यकाल – मोहनलाल सुखाड़िया (17 वर्ष)
- न्यूनतम कार्यकाल – हीरालाल देवपुरा (16 दिन)

- प्रथम अल्पसंख्यक मुख्यमंत्री – बरकतुल्ला खान (पद पर रहते हुए मृत्यु)
- प्रथम गैर कॉग्रेस मुख्यमंत्री – भैरोंसिंह शेखावत
- पहली महिला मुख्यमंत्री – वसुंधरा राजे
- भारत पाक युद्ध (1971) के समय मुख्यमंत्री – बरकतुल्ला खान (पद पर रहते हुए मृत्यु)
- 1975 के आपातकाल के समय मुख्यमंत्री – हरिदेव जोशी
- प्रथम अनुसूचित जाति से मुख्यमंत्री – जगन्नाथ पहाड़ियाँ
- वे मुख्यमंत्री जो दूसरे राज्यों में राज्यपाल रहे – हरिदेव जोशी एवं मोहनलाल सुखाड़िया
- मुख्यमंत्री जो राजस्थान प्रशासनिक सुधार आयोग के अध्यक्ष भी रहे – शिवचरण माथुर
- वे मुख्यमंत्री जो मुख्यमंत्री नियुक्त होने से पूर्व विधायक नहीं थे – जयनारायण व्यास, अशोक गहलोत
- मुख्यमंत्री जिसे एक राज्यपाल द्वारा दो बार शपथ दिलायी गयी – मोहनलाल सुखाड़िया (गुरुमुख निहाल सिंह द्वारा)
- वह मुख्यमंत्री जो कभी एम.एल.ए. चुनाव नहीं हारे – श्रीमती वसुंधरा राजे
- वे मुख्यमंत्री जो राज्यसभा सदस्य भी रहे – जयनारायण व्यास एवं भैरोंसिंह शेखावत
- वे मुख्यमंत्री जो लोकसभा सदस्य भी रहे – हीरालाल शास्त्री, श्रीमती वसुंधरा राजे, अशोक गहलोत
- वह मुख्यमंत्री जो राज्य विधानसभा अध्यक्ष भी रहे – हीरालाल देवपुरा
- वह मुख्यमंत्री जो केंद्र में मंत्री भी रहे – श्रीमती वसुंधरा राजे, अशोक गहलोत
- वह मुख्यमंत्री जो उपमुख्यमंत्री भी रहे – टीकाराम पालीवाल
- सर्वाधिक उपमुख्यमंत्री जिस मुख्यमंत्री कार्यकाल में रहे – अशोक गहलोत
- राजस्थान के प्रथम गैर–कांग्रेसी मुख्यमंत्री – भैरोंसिंह शेखावत
- राजस्थान के केयरटेकर सरकार के मुख्यमंत्री – टीकाराम पालीवाल
- मुख्यमंत्री जो विपक्ष के नेता भी रहे – भैरोंसिंह शेखावत, हरिदेव जोशी, वसुंधरा राजे
- एक से अधिक बार राजस्थान के मुख्यमंत्री बनने वाले व्यक्ति –

1. श्री मोहन लाल सुखाड़िया (4 बार)
2. श्री हरिदेव जोशी (3 बार)
3. श्री भैरोंसिंह शोखावत (3 बार)

4.श्री अशोक गहलोत (3 बार)

5. श्री शिवचरण माथुर (2 बार)

6. श्रीमती वसुंधरा राजे (2 बार)

7. श्री जयनारायण व्यास (2 बार)

- दूसरी विधानसभा में कोई भी नेता प्रतिपक्ष नहीं था।
- सबसे ज्यादा नेता प्रतिपक्ष (तीन) 6, 12, 13वीं विधानसभा में रहे।
- नेता प्रतिपक्ष लक्ष्मण सिंह, परसराम मदेरणा दोनों विधानसभा अध्यक्ष भी रहे।
- राजस्थान में तीन मनोनीत मुख्यमंत्री बने हैं– हीरालाल शास्त्री, सी.एम. वैंकटाचारी, जयनारायण व्यास
- राज्य के मुख्यमंत्री जो अपने जीवनकाल में किसी भी राज्य के राज्यपाल नहीं रहे – टीकाराम पालीवाल, जयनारायण व्यास, बरकतुल्लाह खान, भैरोंसिंह शेखावत, अशोक गहलोत, वसुंधरा राजे
- राज्य के मुख्यमंत्री जो किसी राज्य में राज्यपाल रहे – मोहनलाल सुखाड़िया, हरिदेव जोशी, शिवचरण माथुर, जगन्नाथ पहाड़िया

निजी विधेयक जो विधानसभा में लाए गए

विधानसभा	निजी विधेयक की संख्या	स्वीकृत विधेयक
पहली	9	2 (सर्वाधिक)
दूसरी	8	1
तीसरी	16 (सर्वाधिक)	–
चौथी	5	–
पांचवीं	4	1
छठी	4	–
सातवीं	5	–
आठवीं	0	–
नवीं	3	–
दसवीं	1	–
ग्यारहवी	1	–
बारहवीं	1	–

तेरहवीं – पंद्रहवीं	0	–

2019 में पांच व 2020 में आठ अध्यादेश लाए गए थे

राजस्थान के उपमुख्यमंत्री (गैर संवैधानिक पद)

क्र.सं.	नाम	कार्यकाल	दल	मुख्यमंत्री
1.	टीकाराम पालीवाल	1 नवम्बर 1952 से 13 नवम्बर 1954	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	जय नारायण व्यास
2.	हरिशंकर भाभड़ा	4 दिसम्बर 1993 से 30 नवम्बर 1998	भारतीय जनता पार्टी	भैरोंसिंह शेखावत
3.	बनवारीलाल बैरवा	19 मई 2002 से 4 दिसम्बर 2003	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	अशोक गहलोत
4.	कमला बेनीवाल	12 जनवरी 2003 से 4 दिसम्बर 2003	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	अशोक गहलोत
5.	सचिन पायलट	24 दिसम्बर 2018 से 14 जुलाई 2020	भारतीय राष्ट्रीयकांग्रेस	अशोक गहलोत

उल्लेखनीय है कि भारतीय संविधान में उपमुख्यमंत्री पद का उल्लेख नहीं है

- राजस्थान में अब तक उपमुख्यमंत्री – 5
- राजस्थान की एक मात्र महिला मुख्यमंत्री – श्रीमती कमला बेनीवाल
- राजस्थान के एक मात्र उपमुख्यमंत्री जो विधानसभा अध्यक्ष भी रहे – हरिशंकर भाभड़ा
- उपमुख्यमंत्री के रूप में सर्वाधिक कार्यकाल – हरिशंकर भाभड़ा
- मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के समय उपमुख्यमंत्री रहे – बनवारी लाल बैरवा, श्रीमती कमला बेनीवाल एवं सचिन पायलट

क्र. स.	राष्ट्रपति शासन	कारण	राज्यपाल	मुख्यमंत्री
1.	13 मार्च 1967 – 26 अप्रैल 1967 (सबसे कम समय 42 दिन)	स्पष्ट बहुमत नहीं मिला	डॉ. संपूर्णानन्द सरदार हुकूमसिंह	श्री मोहनलाल सुखाड़िया

2.	30 अप्रैल 1977 – 21 जून 1977	सरकार को बर्खास्त कर दिया गया था केंद्र सरकार ने	श्री वेदपाल त्यागी श्री रघुकुल तिलक	श्री हरिदेव जोशी
3.	17 फरवरी 1980 – 5 जून 1980	केंद्र की कांग्रेस सरकार ने बर्खास्त कर दिया।	श्री रघुकुल तिलक	भैरोंसिंह शेखावत
4.	15 दिसम्बर 1992 – 3 दिसम्बर 1993 तक (सर्वाधिक समय तक)	बाबरी मस्जिद ढहा दिए जाने के कारण	डॉ. एन चेन्ना रेड्डी धनिकलाल मण्डल बलिराम भगत	भैरोंसिंह शेखावत

राज्यपाल

राज्यपाल द्वारा जारी किए गए अध्यादेश व स्वीकृत विधेयक –

वर्ष	अध्यादेश	विधेयक
2018	8	39
2019	**3**	37
2020	**8**	37
2021	**0**	20
2022 (सितम्बर तक)	**0**	10

राजस्थान के राज्यपाल एवं कार्यकाल

क्र. सं.	राज्यपाल	कार्यकाल		टिप्पणी
		कब से	कब तक	
1.	श्री सवाईमान सिंह राज (प्रमुख)	30.03.1949	03.10.1956	• जयपुर के पूर्व महाराजा, इस पद को सातवें संविधान संशोधन द्वारा 1956 में समाप्त कर दिया गया। • प्रसिद्ध पोलो खिलाड़ी।
2.	श्री गुरुमुख निहाल सिंह (प्रथम राज्यपाल)	01.11.1956	15.04.1962	• सरदार गुरुमुख निहाल सिंह राजस्थान के प्रथम राज्यपाल थे। • पूर्व में दिल्ली के मुख्यमंत्री रह चुके है। • दिल्ली विधान सभा अध्यक्ष भी रहे। • राज्यपाल के अभिभाषण के लिए विधानसभा के स्थान पर राजभवन में रखा गया।
3.	श्री सम्पूर्णानन्द	16.04.1962	15.04.1967	• उत्तर प्रदेश के दूसरे मुख्यमंत्री (1954–60 तक) रहे। • असहयोग आन्दोलन में भाग लिया। • जयपुर के सांगानेर की खुली जेल

				इन्हीं की देन है। ● इनके कार्यकाल में पहली बार प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लगा। ● इंटर महाविद्यालय बीकानेर के प्राचार्य रहे। ● 'समाजवाद' पुस्तक लिखी।
4.	श्री हुकुम सिंह	16.04. 1967	19.11. 1970	● लोक सभा अध्यक्ष व उपाध्यक्ष भी (1962–1967) रहे। ● 1951 में दिल्ली में स्पॉक्समैन पत्रिका प्रमोचन किया। ● राज्य उच्च न्यायालय के उत्तरवर्ती न्यायाधीश भी रहे। ● संविधान सभा, अंतरिम संसद, प्रथम व द्वितीय लोकसभा सदस्य।
		24.12. 1970	30.06. 1972	
5.	श्री जगत नारायण(कार्यवाहक)	20.11. 1970	23.12. 1970	● न्यायाधीश।
6.	श्री सरदार जोगिन्दर सिंह	01.07. 1972	14.02. 1977	● संविधान सभा, अंतरिम संसद, लोक सभा व राज्य सभा के सदस्य ● नेशनल राईफल एसोसिएशन के महासचिव रहे। ● प्रथम राज्यपाल जिन्होंने अपने पद से त्यागपत्र दिया।
7.	श्री वेदपाल त्यागी (कार्यवाहक)	15.02. 1977	11.05. 1977	● न्यायाधीश।
8.	श्री रघुकुल तिलक	12.05. 1977	08.08. 1981	● अप्रैल 1977 से जून 1977 राजस्थान में राष्ट्रपति शासन रहा। ● वर्ष 1958 से 1960 तक राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य रहे। ● काशी विद्यापीठ के वाईस चांसलर रहे। ● राजस्थान के एकमात्र राज्यपाल जो

				राजस्थान निवासी थे। • सबसे ज्यादा मुख्यमंत्रियों के साथ काम करने वाले राज्यपाल। • इन्हें पद से बर्खास्त किया गया।
9.	श्री के.डी. शर्मा (कार्यवाहक)	08.08. 1981	05.03. 1982	• भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी। • पाकिस्तान में भारत के पूर्व राजदूत रहे। • न्यायाधीश।
10.	श्री ओमप्रकाश मेहरा	06.03. 1982	04.01. 1985	• एयर चीफ़ मार्शल ओम प्रकाश मेहरा वायुसेनाध्यक्ष थे। • उन्हें 1968 में सेना के सर्वोच्च पुरस्कार परम विशिष्ट सेवा पदक से नवाजा गया। • हिन्दुस्तान ऐयरोनोटिक्स के अध्यक्ष रहे। • पद्मविभूषण। • भारतीय ओलम्पिक संघ के अध्यक्ष। • इनकी आत्मकथा – स्वीट एण्ड सोर
		01.02. 1985	03.11. 1985	
11.	श्री पी.के. बनर्जी (कार्यवाहक)	03.01. 1985	03.11. 1985	• न्यायाधीश।
12.	डॉ. पी. गुप्ता (कार्यवाहक)	04.11. 1985	19.11. 1985	• न्यायाधीश।
13.	श्री बसंतराव (वसंतदादा) पाटिल	20.11. 1985	14.10. 1987	• महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री रहे। • महात्मा गांधी के साथ सत्याग्रह आन्दोलन में भाग लिया। • लोक सभा सदस्य रहे। • पद्मभूषण

				• भारत सरकार द्वारा डाक टिकट जारी किया गया। • प्रथम राज्यपाल जिन्होंने राष्ट्रपति को इस्तीफा दिया।
14.	श्री जे.एस. वर्मा (कार्यवाहक)	15.11. 1987	19.02. 1988	• राजस्थान उच्च न्यायालय के प्रथम न्यायाधीश जिन्होंने कार्यवाहक राज्यपाल रहते हुए तात्कालिक मुख्यमंत्री शिवचरण माथुर को स्पथ दिलाई।
		03.02. 1989	19.02. 1989	
15.	श्री सुखदेव प्रसाद	20.02. 1988	02.02. 1989	• राज्य सभा सदस्य • भारत सरकार में उप–मंत्री, इस्पात एवं खनन मंत्रालय। • कार्यकाल के बीच में विदेश में चिकित्सा हेतु गए इस दौरान जे. एस. वर्मा कार्यवाहक राज्यपाल रहे।
		20.02. 1989	02.02. 1990	
16.	श्री मिलापचन्द जैन (कार्यवाहक)	03.02.1990	13.02.1990	• राजस्थान उच्च न्यायालय केपूर्वमुख्य न्यायाधीश रहे। • राजीव गांधी की हत्या की जांच हेतु बनाये गये जैन आयोग के अध्यक्ष रहे।
17.	श्री देवी प्रसाद चटोपाध्याय	14.02.1990	25.08.1991	• इण्डियन कांउसिल ऑफ फिलोसॉफिकल रिसर्च के अध्यक्ष व स्थापना कर्ता। • पद्मविभूषण। • राज्यसभा सदस्य।
18.	श्री स्वरूप सिंह (राज्यपाल गुजरात)	26.08.1991	04.02.1992	• दिल्ली विश्वविद्यालय से पूर्व वाईस चांसलर • गुजरात व केरला के पूर्व राज्यपाल रहे। • संघ लोक सेवा आयोग के सदस्य रहे।

				• राज्यसभा सदस्य रहे। • सर्वप्रथम राजस्थान में राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार दिया गया।
19.	श्री एम. चेन्न रेड्डी (मर्री चेन्ना रेड्डी) (अतिरिक्त प्रभार)	05.02.1992	30.05.1993	• आन्ध्र प्रदेश केपूर्वमुख्यमंत्री हैं। • वे उत्तर प्रदेश, पंजाब, तमिलनाडु के राज्यपाल रहे। • तेलंगाना आन्दोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया। • अंतिम राज्यपाल जिनके कार्यकाल में राजस्थान में राष्ट्रपति शासन लगा।
20.	श्री धनिक लाल मण्डल(राज्यपाल हरियाणा) अतिरिक्त प्रभार	31.05.1993	29.06.1993	• राजस्थान में राष्ट्रपति शासन। • लोकसभा सदस्य। • बिहार विधानसभा के अध्यक्ष रहे।
21.	श्री बलिराम भगत	30.06.1993	30.04.1998	• भारत छोड़ो आन्दोलन के दौरान 2 समाचार पत्रों का संपादन किया – क्विट इंडिया, आवर स्ट्रगल • भारत सरकार में योजना राज्य मंत्री, रक्षा मंत्री, विदेश व्यापार आपूर्ति मंत्री, इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री रहे। • लोक सभा अध्यक्ष भी रहे। • अंतरिम संसद के सदस्य रहे। • पहली से पांचवी तक एवं सातवीं व आठवीं लोकसभा के सदस्य रहे। • केंद्रीय सरकार में विदेश मंत्री भी रहे। • राष्ट्रदूत पत्र (हिंदी साप्ताहिक) का प्रकाशन शुरु किया।
22.	श्री दरबार सिंह	01.05.1998	24.05.1998 (मृत्यु)	• पंजाब विधानसभा अध्यक्ष रहे। • राजस्थान में राज्यपाल के पद पर रहते हुए मृत्यु हुई।

				• मृत्यु का कारण–पोकरण मे भारत के परमाणु परीक्षण के समय लू लगने से मृत्यु हुई। • पंजाब के मुख्यमंत्री भी रहे। • लोकसभा सदस्य भी रहे।
23.	श्री एन.एल. टिबरेवाल (नवरंग लाल टिबरेवाल) (कार्यवाहक)	25.05.1998	15.01.1999	• राजस्थान के झुंझुनू जिले के संबंध व राजस्थान उच्च न्यायायलय के कार्यवाहक न्यायाधीश रहे। • राजस्थान बार काउंसिल के अध्यक्ष रहे ।
24.	श्री अंशुमान सिंह	16.01.1999	13.05.2003	• इलाहाबाद व राजस्थान हाईकोर्ट में न्यायाधीश रहे। • 4 बार कार्यवाहक राज्यपाल रहे। • हाल ही में कोविड–19 के मृत्यु।
25.	श्री निर्मल चन्द्र जैन	14.05.2003	22.09.2003 (मुत्यु)	• भारतीय वित्त आयोग के सदस्य • पद पर रहते हुए मृत्यु। • लोकसभा सदस्य रहे। • मध्यप्रदेश राज्य के महाधिवक्ता रहे।
26.	श्री कैलाशपति मिश्र (राज्यपाल गुजरात) अतिरिक्त प्रभार	22.09.2003	13.01.2004	• भारत सरकार द्वारा डाक टिकट जारी किया गया।
27.	श्री मदनलाल खुराना	14.01.2004	01.11.2004	• दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री • वाजपेयी सरकार में संसदीय मामलात एवं पर्यटन मंत्री • इन्हें 'दिल्ली का शेर' भी कहा जाता था। • राज्यपाल रहते राजस्थान में "जनता दरबार" लगाने के कारण सुर्खियों में रहे। • अपने पद से त्यागपत्र दिया।
28.	श्री टी.वी. राजेश्वर (राज्यपाल उ.प्र.) अतिरिक्त प्रभार	01.11.2004	08.11.2004	• भारतीय पुलिस सेवा के पूर्व अधिकारी।

				• इंटेलिजेंस ब्यूरो के पूर्व प्रमुख। • सिक्किम, पश्चिम बंगाल एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल। • भारत सरकार ने विदेश मंत्रालय में सचिव। • उन्हें 2002 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। • सबसे कम समय के लिए राज्यपाल रहे।
29.	श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल	08.11.2004	23.06.2007 (त्याग पत्र)	• विधायक व लोकसभा सदस्य रही। • 2007 से 2012 तक भारतीय प्रथम महिला राष्ट्रपति रही। • मेक्सिको के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार "**ऑर्डेन मेक्सिकाना डेल एग्वेला एज्टेका**" (ऑर्डर ऑफ एज्टेक ईगल) से सम्मानित किया गया। • राजस्थान की प्रथम महिला राज्यपाल। • महाराष्ट्र में विभिन्न विभागों में मंत्री रहीं। • राज्यसभा के उपसभापति।
30.	डॉ. ए.आर. किदवाई (अख्लाक उर रहमान किदवई) (राज्यपाल हरियाणा) अतिरिक्त प्रभार	23.06.2007	06.09.2007	• एक भारतीय रसायनज्ञ और राजनीतिज्ञ थे, जो हरियाणा, बिहार, राजस्थान ऑर पश्चिम बंगाल के राज्यपाल रह चुके हैं। • किदवई 1974 से 1977 तक संघ लोक सेवा आयोगके अध्यक्ष रहे। • अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालयके कुलाधिपति रहे। • अध्यक्ष, चयन बोर्ड ऑफ साइंटिस्ट्स पूल। • राज्यसभा सदस्य भी रहे।

				• जम्मू एवं कश्मीर बैंक के निर्देशक भी रहे। • पद्म विभूषण से सम्मानित हुए।
31.	श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह (कार्यवाहक)	06.09.2007	01.12.2009 (मृत्यु)	• भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी। • पद पर रहते हुए मृत्यु। • संयुक्त राष्ट्र के ग्रुप 77 के अध्यक्ष रहे।
32.	श्रीमती प्रभाराव (राज्यपाल हिमाचल प्रदेश) अतिरिक्त प्रभार	03.01.2009	24.01.2010	• लोकसभा सदस्या रही। • पद पर रहते हुए मृत्यु।
33.	श्रीमती प्रभाराव (कार्यवाहक)	25.01.2010	26.04.2010 (मृत्यु)	
34.	श्री शिवराज पाटिल (राज्यपाल पंजाब) अतिरिक्त प्रभार	28.04.2010	12.05.2012	• भारत के विदेश मंत्री • भारत के गृहमंत्री रहते हुए मुम्बई में आतंकवादी द्वारा हमला। • CSIR के उपाध्यक्ष रहे। • लोक सभा अध्यक्ष रहते हुए इनके द्वारा सर्वेश्रेष्ठ संसद सदस्य पुरस्कार प्रारम्भ किया गया। (1992) • केंद्रीय सरकार में रक्षामंत्री भी रहे। • राज्यसभा सांसद भी रहे। • केन्द्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक भी रहे।
35.	श्रीमती मार्ग्रेट अल्वा (कार्यवाहक)	12.05.2012	07.08.2014	• उत्तराखण्ड की पहली महिला राज्यपाल के रूप में कार्य किया। • वे मर्सी रवि अवॉर्ड से सम्मानित हैं। • दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति ने तो उन्हें वहाँ के स्वाधीनता संग्राम में रंगभेद के खिलाफ लड़ाई लड़ने में अपना समर्थन देने के लिए राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया। • चार बार लगातार राज्यसभा सदस्या

				रही। • लोकसभा सदस्या रही। • केंद्रीय सरकार में विभिन्न मंत्री पदों पर आसीन रही। • 1989 में महिलाओं के विकास की विस्तृत भावी योजना का मसौदा तैयार किया। • राज्यसभा की उपसभापति भी रहीं।
36.	श्री राम नाईक (अतिरिक्त प्रभार)	08.08.2014	03.09.2014	• भारत सरकार में ऑयल एवं नेचुरल गैस मंत्री। • केंद्रीय सरकार में रेलमंत्री भी रहे। • लोकसभा सदस्य भी रहे। • उत्तर प्रदेश राज्य के राज्यपाल भी रहे।
37.	श्री कल्याण सिंह	09.09.2014	08.09.2014	• दो बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री भी रहे। • विवादित बाबरी मस्जिद विध्वंस होने के समय उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री थे। • जुलाई 2021 में मृत्यु। • लोकसभा सदस्य भी रहे। • पद्म विभूषण से सम्मानित हुए।
38.	श्री कलराज मिश्र	09.09.2019	लगातार	• भारत सरकार में सूक्ष्म एवं लघु उद्योग मंत्री रहे। • तीन बार राज्यसभा सदस्य। • हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल रहे। • उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य भी रहे। • लोकसभा सदस्य भी रहे। • 'निमित्त मात्र हूँ मैं' आत्मकथा लिखी।

- **राजस्थान के प्रथम राज्यपाल –** गुरूमुख निहाल सिंह
- **राजस्थान की प्रथम महिला राज्यपाल–** **1.** प्रतिभा पाटिल
  2. प्रभा राव
  3. माग्रेट अल्वा
- **राजस्थान के राज्यपाल जिनका निधन पद पर रहते हुए हुआ –**
  - ✓ दरबारा सिंह,
  - ✓ निर्मलचन्द जैन,
  - ✓ शिलेन्द्र कुमार सिंह,
  - ✓ श्रीमती प्रभा राव

राजस्थान में राष्ट्रपति शासन के समय रहे राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री –

राज्यपाल	मुख्यमंत्री
➢ डॉ. सम्पूर्णानन्द (1967)	➢ मोहनलाल सुखाड़िया (1967)
➢ सरदार हुकुमसिंह (1967)	
➢ रघुकुल तिलक (1977,1980)	➢ हरिदेव जोशी (1977) ➢ भैरोंसिंह शेखावत (1980)
➢ डॉ. एम. चेन्नारेडी (1992–1993)	➢ भैरोंसिंह शेखावत (1992)
➢ बलिराम भगत (1993)	

- **1975 के आपातकाल के समय मुख्यमंत्री –** हरिदेव जोशी,
- **1975 के आपातकाल के समय राज्यपाल –** सरदार जोगेन्द्र सिंह
- **वे राज्यपाल जो संसद के दोनों सदनो के सदस्य रहे है –**
  1. कलराज मिश्र
  2. मारग्रेट अल्वा
  3. सरदार जोगिंदर सिंह
  4. प्रतिभा देवी सिंह पाटिल
- **वे राज्यपाल जो लोकसभा अध्यक्ष भी रहे है –**
  - ✓ बलीराम भगत
  - ✓ शिवराज पाटिल
  - ✓ सरदार हुकम सिंह

- **वह राज्यपाल जो राज्यसभा का उपसभापति भी रहा/रही –** प्रतिभा पाटिल
- **राज्यपाल जो किसी विधान सभा में स्पीकर रहा है –** श्री गुरुमुख निहाल सिंह, श्री दरबारा सिंह, श्री धनिक लाल मंडल
- **वह राज्यपाल जो किसी राज्य या केन्द्रशासित प्रदेश में मुख्यमंत्री रहे हैं –**
  - ✓ कल्याणसिंह,
  - ✓ मदनलाल खुराणा,
  - ✓ एम.चेन्नारेडी,
  - ✓ वसंतदादा पाटिल,
  - ✓ सम्पूर्णानन्द,
  - ✓ गुरुमुख निहाल सिंह
- **सर्वाधिक समय तक राज्यपाल–**गुरुमुख निहाल सिंह
- **राज्यपाल पद पर महिलाएँ –**
  - ✓ श्रीमती प्रतिभा पाटिल
  - ✓ श्रीमती प्रभा राव
  - ✓ श्रीमती मारग्रेट अल्वा
- **वे न्यायाधीश जो राज्य के कार्यवाहक राज्यपाल रहे है –**
  - ✓ नवरंग लाल टिबरेवाल
  - ✓ वेदपाल त्यागी
  - ✓ मिलाप चन्द जैन
  - ✓ स्वरूप सिंह
- **सबसे कम समय पर राज्यपाल रहे है –**टि.वी. राजेश्वर
- **श्री गुरुमुख निहाल सिंह, डॉ. सम्पूर्णानन्द, सरदार हुकूम सिंह, श्री जोगिंदर सिंह, श्री बलिराम भगत, श्री कल्याण सिंह ही अपना कार्यकाल पूरा कर सके।**
- राज्यपाल को सरोजनी नायडू ने **"सोने के पिंजरे में कैद चिड़िया"**, विजय लक्ष्मी पण्डित ने **"वेतन का आकर्षण"**, पट्टाभी सीतारमैया ने **"अतिथि सत्कार करने वाला"**, मारग्रेट अल्वा ने **"सरदर्द"** कहा है।

राजस्थान लोक सेवा आयोग

अध्यक्ष

क्रमांक	अध्यक्ष का नाम	कब से	कब तक
1.	सर एस. के. घोष, (मुख्य न्यायाधीश), कार्यवाहक	22.12.1949	25.01.1950
2.	श्री एस. सी. त्रिपाठी (यूपीएससी सदस्य भी रहे)	28.07.1950	07.08.1951
3.	श्री डी.एस. तिवारी (अधिकतम कार्यकाल)	08.08.1951	17.01.1958
4.	श्री एम. एम. वर्मा	18.01.1958	03.12.1958
5.	श्री एल एल जोशी, आईएएस (कार्यवाहक)	04.12.1958	31.07.1960
6.	श्री वी. वी. नार्लीकर (प्रोफेसर एवं प्रमुख) (BHU के गणित विभाग के विभागाध्यक्ष रहे)	01.08.1960	31.07.1966
7.	डॉ बी एल रावत, आईएएस	01.08.1966	03.09.1966
8.	श्री आर. सी. चौधरी, आरएचजेएस	04.09.1966	08.10.1971
9.	श्री बी.डी. माथुर (सेवानिवृत्त मुख्य अभियांत्रिकी)	09.10.1971	23.06.1973
10.	श्री आर.एस. कपूर (डीआईआर। कॉलेज शिक्षा।)	24.06.1973	10.06.1975
11.	श्री मोहम्मद याकूब, आरएचजेएस	27.06.1975	30.06.1979
12.	श्री राम सिंह चौहान, आईएएस	01.07.1979	10.09.1980
13.	श्री हरि दत्त गुप्ता (मुख्य अभियांत्रिकी)	11.09.1980	09.06.1983
14.	श्री एस. अदावियाप्पा (मुख्य अभियांत्रिकी)	10.06.1983	26.03.1985
15.	डॉ. डी. डी. चव्हाण (प्रो.)	27.03.1985	07.11.1985
16.	श्री जे.एम. खान, आईएएस	08.11.1985	27.11.1989
17.	श्री एस.सी. सिंगारिया (कार्यवाहक)	28.11.1989	04.09.1990
18.	श्री यतींद्र सिंह, आईएएस	05.09.1990	06.10.1995
19.	श्री हनुमान प्रसाद, आईएएस, (एससी आयोग के चैयरमेन भी रहे), (झुंझुनू जिले के सूरजगढ़ से विधायक रहे एवं जिलाप्रमुख भी रहे)	06.10.1995	30.09.1997
20.	श्री पी.एस. यादव, आईपीएस	01.10.1997	06.11.1997
21.	श्री देवेंद्र सिंह, आईपीएस	06.11.1997	30.12.2000
22.	श्री एन. के. बेरवा, आईएएस	31.12.2000	22.03.2004
23.	श्री एस.एस. टाक (कार्यवाहक) (प्रो.)	26.03.2004	15.07.2004
24.	श्री गोविंद सिंह टोंक(सेवानिवृत्त मुख्य अभियांत्रिकी), (उदयपुर के महापौर भी रहे)	15.07.2004	04.07.2006
25.	श्री एच.एन. मीणा, आईपीएस (सेवानिवृत्त) (कार्यवाहक)	04.07.2006	19.09.2006
26.	श्री सी.आर. चौधरी (कॉलेज व्याख्याता रहे, आरएएस बने फिर आईएएस प्रमोट हुए, नागौर लोकसभा से सांसद रहे, केंद्र में मंत्री रहे)	29.09.2006	28.02.2010
27.	श्री महेंद्र लाल कुमावत, आईपीएस (सेवानिवृत्त), (बीएसएफ के डीजी रहे, सरदार पटेल विश्वविद्यालय के वी.सी रहे, आंध्रप्रदेश में एंटी नक्सल कमांडो फोर्स में GREY HOUNDS के चीफ रहे)	28.02.2010	01.07.2011

28.	प्रो. बी.एम. शर्मा (कोटा विश्वविद्यालय के वी.सी रहे)	01.07.2011	31.08.2012
29.	डॉ हबीब खान गौरन, आईपीएस (सेवानिवृत्त)	31.08.2012	22.09.2014
30.	डॉ. आर.डी. सैनी (कार्यवाहक)	24.09.2014	10.08.2015
31.	डॉ एल के पंवार, आईएएस (सेवानिवृत्त), (राजस्थान कौशल विश्वविद्यालय के वी.सी हैं।)	10.08.2015	10.07.2017
32.	श्री श्याम सुंदर शर्मा	11.07.2017	28.09.2017
33.	डॉ. राधे श्याम गर्ग	18.12.2017	01.05.2018
34.	श्री दीपक उप्रेती (आईएएस सेवानिवृत्त)	23.07.2018	14.10.2020
35.	डॉ. भूपेंद्र सिंह (आईपीएस सेवानिवृत्त), (राजस्थान के डीजीपी रहे, RPA के निदेशक रहे, सरदार पटेल पुलिस विश्वविद्यालय के वी.सी रहे।)	14.10.2020	01.12.2021
36.	डॉ. शिवसिंह राठौड़ (कार्यवाहक)	02.12.2021	29.01.2022
37.	श्री जसवंत सिंह राठी (कार्यवाहक)	01.02.2022	15.02.2022
38.	श्री संजय क्षोत्रीय	वर्तमान	

सदस्य

क्रमांक	सदस्य का नाम	कब से	कब तक
1.	श्री देवी शंकर तिवारी (अध्यक्ष भी रहे)	26.01.1950	07.08.1951
2	श्री एन.आर. चन्ड़ोरकर	26.01.1950	31.12.1950
3	श्री वी.आर. अडिगे	17.02.1951	16.02.1957
4	श्री एम. एम. वर्मा (अध्यक्ष भी रहे)	28.06.1952	20.01.1958
5	श्री एल एल जोशी, आईएएस (कार्यवाहक अध्यक्ष रहे)	01.03.1957 और 01.08. 1960	03.12.1958 और 20.11. 1961
6	श्री र'ुकुल तिलक, कुलपति (राज्यपाल भी रहे)	04.02.1958	07.01.1960
7	श्री एस.एल. आहूजा, आईएएस	01.12.1959	17.11.1964
8	श्री श्याम लाल, आईएएस	17.04.1961	15.04.1966

9	डॉ बी एल रावत, आईएएस (अध्यक्ष भी रहे)	04.09.1961	04.09.1966
10	श्री आर सी चौधरी, आरएचजेएस (अध्यक्ष भी रहे)	20.03.1965	07.02.1967
11	श्री आर.एन. हवा, आईएएस	27.07.1966	19.07.1970
12	श्री एस. डी. उज्जवल, आईएएस (मुख्य सचिव भी रहे)	31.05.1967	05.01.1970
13	श्री शिव शंकर, आईएएस	29.07.1967	10.09.1970
14	श्री बी.डी. माथुर	11.11.1968	08.10.1971
15	श्री वी.डी. शर्मा, आईएएस	11.06.1970	06.03.1973
16	श्री आर.एस. कपूर (अध्यक्ष भी रहे)	11.06.1970	23.06.1973
17	श्री धूलेश्वर मीणा, (लोकसभा व राज्यसभा सदस्य रहे)	01.01.1972	02.01.1978
18	श्री मोहम्मद याकूब, आरएचजेएस (अध्यक्ष भी रहे)	07.08.1972	27.06.1975
19	श्री डी.एन. हांडा, आईएएस	05.04.1973	10.12.1974
20	श्री एन.एल. जैन, पूर्व. अध्यक्ष, आर.एल.ए.	27.07.1974	03.10.1979
21	श्री हरि द ा गुप्ता (अध्यक्ष भी रहे)	26.04.1975	10.09.1980
22	श्री राम सिंह चौहान, आईएएस (अध्यक्ष भी रहे)	30.07.1977	30.06.1979
23	श्री एस. अदवियप्पा (अध्यक्ष भी रहे)	12.09.1979	09.06.1983

24	डॉ. दीन दयाल चव्हाण (अध्यक्ष भी रहे)	08.11.1979	26.03.1985
25	श्री जे.एम. खान, आईएएस (अध्यक्ष भी रहे)	06.11.1982	07.11.1985
26	श्री बनवारी मल, आईपीएस	04.07.1984	27.06.1988
27	प्रो. दूल सिंह	06.07.1984	22.09.1986
28	डॉ. देवी सिंह सारस्वत	16.12.1985	22.01.1988
29	श्री सुगन चंद सिंगारिया	28.05.1986 और 05.09.1990	26.11.1989 और 27.05.1992
30	श्री सुभामा चंद्र टंडन, आईपीएस	01.12.1987	06.11.1991
31	प्रो. के. एल. कमल	16.09.1988	11.09.1992
32	डॉ जी पी पिलानिया, आईपीएस (डीजीपी, राज्यसभा सांसद भी रहे)	22.12.1989	17.02.1994
33	श्रीमती कांता खतूरिया, पूर्व. विधायक	22.12.1989	23.04.1995 (इस्तीफा)
34	श्री हनुमान प्रसाद, आईएएस (अध्यक्ष भी रहे)	31.10.1992	06.10.1995
35	श्री पी.एस. यादव, आईपीएस (अध्यक्ष भी रहे)	28.07.1993	30.09.1997
36	श्रीमती कमला भील, पूर्व. राज्य मंत्री, आर.एल.ए.	28.07.1993	27.07.1999
37	श्री शंकर सिंह सोलंकी	03.04.1995	05.08.2000

38	डॉ. (श्रीमती) प्रकाशवती शर्मा	18.01.1996	18.01.2002
39	श्री ओ.पी. गुप्ता, पूर्व. मुख्य सचेतक आर.एल.ए.	26.12.1997	04.06.2003
40	श्री दलीप सिंह	27.12.1997	30.06.1999
41	डॉ. श्याम सिंह टाक	10.11.1999	09.11.2005
42	श्री एम.एल. परिहार	14.12.1999	14.03.2001
43	प्रो. (डॉ.) एच.ए.एस.जाफरी	01.02.2001	18.06.2006
44	श्री एच.एन. मीणा, आईपीएस (सेवानिवृत्त) (कार्यवाहक अध्यक्ष भी रहे)	25.02.2002	19.09.2006
45	श्री सी.आर. चौधरी (अध्यक्ष भी रहे)	27.02.2002	23.02.2008
46	श्री विनोद बिहारी शर्मा	25.08.2003	06.02.2008
47	श्री एच.एल. मीणा	18.04.2008	31.01.2012
48	श्री शिव पाल सिंह नांगल	18.04.2008	13.11.2013 (इस्तीफा)
49	श्री कन्हैया लाल बैरवा, आईपीएस (सेवानिवृत्त)	18.04.2008	17.04.2014
50	श्री पी.के. दशोरा	04.07.2008	03.07.2014
51	श्री ब्रह्म सिंह गुर्जर	04.07.2008	03.07.2014
52	श्री एच.के.गौरन, आईपीएस (सेवानिवृत्त) (अध्यक्ष भी रहे) (कोटा विश्वविद्यालय के वी.सी. रहे)	04.07.2008	03.07.2014

53	श्रीमती दिव्या सिंह (पूर्व सांसद)	30.11.2011	30.09.2012 (इस्तीफा)
54	श्री हरि किशन खिचर, आरएचजेएस	30.01.2016	05.03.2017
55	श्री श्याम सुंदर शर्मा	30.01.2016	10.07.2017 (इस्तीफा)
56	डॉ. आर.डी. सैनी	18.06.2013	12.04.2019
57	श्री एस.एल. मीना	18.06.2013	17.06.2019
58	डॉ. के.आर. बगरिया	18.06.2013	17.06.2019

- **7 सदस्यों का प्रावधान** – 2011 से, (1948–2, 1968–3, 1973–4, 1981–5
- **प्रथम अध्यक्ष –** एस.के. घोष (मुख्य न्यायाधीश)
- **अध्यक्ष एवं सचिव दोनों पदों पर रहने वाले व्यक्ति –** एन.के. बैरवा
- **प्रथम पूर्णकालीन अध्यक्ष –** एस.सी. त्रिपाठी
- **सर्वाधिक कार्यकाल –** डी.एस. तिवाड़ी (अध्यक्ष के रूप में), जयपुर प्रजामण्डल आंदोलन के अध्यक्ष थे, जयपुर राज्य के प्रथम शिक्षा व स्वास्थ्य मंत्री थे।, यूआईटी चैयरमेन थे)
- **प्रथम कार्यवाहक अध्यक्ष –** श्री एल.एल. जोशी
- **न्यूनतम कार्यकाल –**पीएस यादव (37 दिन) (अध्यक्ष के रूप में)
- **आयोग के अध्यक्ष जो लोकसभा सदस्य रहे है–** सी.आर. चौधरी
- **आयोग के सदस्यजो लोकसभा सदस्य रहे है–** धुलेश्वर मीणा, दिव्या सिंह
- **आयोग के सदस्य जो राजस्थान के मुख्य सचिव रहे है–** सांवलदान उज्जवल
- **आयोग के सदस्य जो विधानसभा अध्यक्ष रहे है–** एन.एल. जैन
- **आयोग के सदस्य जो पूर्व में मंत्री भी रही है–** श्रीमती कमला भील
- **प्रथम सचिव –** श्री श्यामसुन्दर शर्मा

- **प्रथम महिला सचिव –** श्रीमती ऑटिमा बोरड़िया, रोली सिंह, मुक्धा सिन्हा (कार्यवाहक), रेणू जयपाल, शुभम चौधरी
- **वर्तमान सचिव –** हरजी लाल अटल
- भारतीय प्रशासनिक सेवा से आयोग के अध्यक्ष – श्री एल.एल. जोशी, (कार्यवाहक), डॉ बी. एल. रावत, श्री राम सिंह चौहान, श्री जे.एम. खान, श्री यतींद्र सिंह, श्री हनुमान प्रसाद, श्री एन. के. बेरवा, डॉ. एल के पंवार, श्री दीपक उप्रेती, सी आर चौधरी
- भारतीय पुलिस सेवा से आयोग के अध्यक्ष – श्री पी.एस. यादव, श्री देवेंद्र सिंह, श्री एच. एन. मीणा, (कार्यवाहक), श्री महेंद्रलाल कुमावत (हाल ही में राजस्थान सरकार द्वारा बनाई गई एक समिति के अध्यक्ष एवं राजस्थान पुलिस विश्ववि4ालय के उप–कुलपति रहे है।) डॉ हबीब खान गौरन, डॉ. भूपेन्द्र सिंह यादव
- **आयोग में पूर्व महिला सदस्य**
- श्रीमती कांता खतूरिया – पूर्व विधायक, राजस्थान महिला आयोग की अध्यक्ष, यूपीएससी सदस्य
- श्रीमती कमला भील – पूर्व राज्य मंत्री, राजस्थान सरकार
- डॉ. (श्रीमती) प्रकाशवती शर्मा – यूपीएससी सदस्य
- श्रीमती दिव्या सिंह – कार्यकाल पूर्ण होने के पूर्व इस्तीफा दिया।
- आयोग में वर्तमान महिला सदस्य – 1. श्रीमती संगीता आर्या 2. श्रीमती मंजु शर्मा
- कार्यकाल के पूर्व इस्तीफा देने वाले सदस्य – 1. श्रीमती कान्ता खतूरिया
- 2. श्री शिवपाल सिंह नांगल 3. श्रीमती दिव्या सिंह
- 4. श्री श्याम सुन्दर शर्मा
- विधानसभा मुख्य सचेतक सदस्य के रूप में – 1. श्री ओपी गुप्ता
- कार्यकाल से पूर्व इस्तीफा देने वाले सदस्य – 1. कांता खतूरिया 2. शिवपाल सिंह नागल 3. दिव्य सिंह 4. एस.एस. शर्मा
- राजस्थान लोक सेवा आयोग में 2008 में 17 दिन एक सदस्य आयोग भी रहा। सीआर चौधरी अकेले सदस्य व अध्यक्ष भी रहे।
- आयोग के सदस्य जो बाद में राज्यपाल भी रहे – रघुकुल तिलक
- आयोग के सदस्य जो बाद में राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलपति रहे – के.एल. कमल

राजस्थान उच्च न्यायालय

❖ **मुख्य न्यायाधीश के साथ शपथ लेने वाले 11 न्यायमूर्ति एवं उनके गृह जिले –**

नाम	जिला
न्यायमूर्ति नवलकिशोर	जोधपुर
न्यायमूर्ति अमर सिंह	जोधपुर
न्यायमूर्ति के.एल. बापना(कुंवर लाल बापना)	जयपुर
न्यायमूर्ति इब्राहीम	जयपुर
न्यायमूर्ति जे.एस.राणावत(जवान सिंह राणावत)	उदयपुर
न्यायमूर्ति शार्दुलसिंह मेहता	उदयपुर
न्यायमूर्ति डीएस दवे(दुर्गा शंकर दवे)	बून्दी
न्यायमूर्ति त्रिलोचनदत	बीकानेर
न्यायमूर्ति आनन्द नारायण कोल	अलवर
न्यायमूर्ति के.के. शर्मा	भरतपुर
न्यायमूर्ति खेमचन्द गुप्ता	कोटा

राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एवं उनका कार्यकाल

क्र.सं.	नाम	कार्यकाल
1.	न्यायमूर्ति के. के. वर्मा	29.08.1949 से 24.01.1950
2.	न्यायमूर्ति कैलाश वांचू	02.01.1951 से 10.08.1958
3.	न्यायमूर्ति सरजू प्रसाद	28.02.1959 से 10.10.1961
4.	न्यायमूर्ति जे. एस. राणावत	11.10.1961 से 31.05.1963
5.	न्यायमूर्ति डी. एस. दवे	01.06.1963 से 17.12.1968
6.	न्यायमूर्ति डी. एम. भंडारी	18.12.1968 से 15.12.1969

7.	न्यायमर्ति जे. नारायण	16.12.1669 से 13.02.1973
8.	न्यायमूर्ति बी. पी. बेरी	14.02.1973 से 16.02.1975
9.	न्यायमूर्ति पी. एन. सिं ाल	17.02.1975 से 05.11.1975
10.	न्यायमूर्ति वी. पी. त्यागी	06.11.1975 से 27.12.1977
11.	न्यायमूर्ति सी. होनैया	27.04.1978 से 22.09.1978
12.	न्यायमूर्ति सी. एम. लोढ़ा	12.03.1979 से 09.07.1980
13.	न्यायमूर्ति के. डी. शर्मा	07.01.1981 से 22.10.1983
14.	न्यायमूर्ति पी. के. बनर्जी	23.10.1983 से 30.09.1985
15.	न्यायमूर्ति डी. पी. गुप्ता	12.04.1986 से 31.07.1986
16.	न्यायमूर्ति जे. एस. वर्मा	01.09.1986 से 22.05.1989
17.	न्यायमूर्ति के. सी. अग्रवाल	15.04.1990 से 07.07.1994
18.	न्यायमूर्ति जी. सी. मि ाल	12.07.1994 से 03.03.1995
19.	न्यायमूर्ति ए. पी. रावानी	04.04.1995 से 10.09.1996
20.	न्यायमूर्ति एम. जी. मुखर्जी	19.09.1996 से 24.12.1997
21.	न्यायमूर्ति शिवराज वी. पाटिल	22.01.1999 से 14.03.2000
22.	डॉ. ए. आर. लक्ष्मणन	29.05.2000 से 25.11.2001
23.	न्यायमूर्ति अरूण कुमार	02.12.2001 से 02.10.2002
24.	न्यायमूर्ति अनिल देव सिंह	24.12.2002 से 22.10.2004
25.	न्यायमूर्ति एस. एन. झा	12.10.2005 से 15.06.2007
26.	न्यायमूर्ति जे. एन. पांचाल	16.06.2007 से 11.11.2007
27.	न्यायमूर्ति नारायण राव	05.01.2008 से 31.01.2009
28.	न्यायमूर्ति दीपक वर्मा	06.03.2009 से 10.05.2009
29.	न्यायमूर्ति जगदीश भल्ला	10.8.2009 से 31.10.2010

30.	न्यायमूर्ति अरूण मिश्रा	26.11.2010 से 31.12.2012
31.	न्यायमूर्ति अमिताभ रॉय	02.01.2013 से 05.08.2014
32.	न्यायमूर्ति सुनील अम्बवानी	24.03.2015 से 21.08.2015
33.	न्यायमूर्ति सतीश कुमार मि ाल	05.03.2016 से 14.04.2016
34.	न्यायमूर्ति नवीन सिन्हा	14.05.2016 से 17.02.2017
35.	न्यायमूर्ति प्रदीप नन्द्राजोग	02.04.2017 से 06.04.2019
36.	न्यायमूर्ति श्रीपति रविन्द्र भट्ट	05.05.2019 से 22.09.2019
37.	न्यायमूर्ति इन्द्रजीत महान्ती	06.10.2019 से 11.10.2021
38.	न्यायमूर्ति अकील कुरैशी	12.10.2021 से 06.03.2022
39.	न्यायमूर्ति शंभाजी शिवाजी शिंदे	25.06.2022 से 13.10.2022
40.	न्यायमूर्ति पंकज मित्तल	14.10.2022 से लगातार

राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जो सर्वोच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश या न्यायाधीश बने –

क्र.स	नाम	विशेष विवरण
1.	न्यायमूर्ति कैलाश नाथ वाचू	भारत के 10 वें मुख्य न्यायाधीश रहे। (स्वतंत्रता सेनानी, यह वकील नहीं थे ICS थे, स्वतंत्रता के पश्चात बनने वाले पहले विधि आयोग के सदस्य थे
2.	न्यायमूर्ति पी.एन. सिंघल	–
3.	न्यायमूर्ति जे.एस. वर्मा	भारत के 27वें मुख्य न्यायाधीश एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष रहे। विशाखा गाइडलाइन जारी की। 2012 के दिल्ली गैंगरेप के बाद क्रिमिनल लॉ में संशोधन किया। • दो बार राजस्थान के राज्यपाल के पद पर भी काम किया।
4.	न्यायमूर्ति शिवराज वी. पाटिल	कर्नाटक के लोकायुक्त रहे, NHRC के चैयरमेन रहे व सदस्य भी रहे।
5.	न्यायमूर्ति न्यायमूर्ति अरुण कुमार	
6.	न्यायमूर्ति ए.आर. लक्ष्मण	
7.	न्यायमूर्ति जे.एम. पांचाल	
8.	न्यायमूर्ति दीपक वर्मा	
9.	न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा	सबसे युवा चैयरमने बार काउंसिल ऑफ इंडिया। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के वर्तमान अध्यक्ष। राजस्थान उच्च न्यायालय का पहला न्यूज लैटर शुरू किया। राजस्थान उच्च न्यायालय के म्यूजियम का उद्घाटन किया।
10.	न्यायमूर्ति अमिताभ राय	
11.	न्यायमूर्ति नवीन सिन्हा	
12.	न्यायमूर्ति एस. रविन्द्र भट्ट	

राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जो सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश रहे या है –

क्र.सं.	नाम	क्र.सं.	नाम
1.	न्यायमूर्ति ए.पी. सैन	2.	न्यायमूर्ति एन.एम. कासलीवाल (दूसरे राज्य में मुख्य न्यायाधीश भी रहे)
3.	न्यायमूर्ति एस.सी. अग्रवाल	4.	न्यायमूर्ति ए.के. माथुर (दूसरे राज्य में मुख्य न्यायाधीश भी रहे)
5.	न्यायमूर्ति पी.पी. नालेकर	6.	न्यायमूर्ति जी.एस. सिंघवी (दूसरे राज्य में मुख्य न्यायाधीश भी रहे)
7.	न्यायमूर्ति आर.एम. लोढ़ा (दूसरे राज्य में मुख्य न्यायाधीश भी रहे)	8.	न्यायमूर्ति बी.एस. चौहान
9.	न्यायमूर्ति जी.एस. मिश्रा (महिला)	10.	न्यायमूर्ति ए.एम. सप्रे
11.	न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी (वर्तमान) (दूसरे राज्य में मुख्य न्यायाधीश भी रहे)	12.	न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी (वर्तमान) (दूसरे राज्य में मुख्य न्यायाधीश भी रहे)
13.	न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी		

❖ **अन्य महत्वपूर्ण तथ्य :–**

- **वे मुख्य न्यायाधीश जो लोकसभा के सदस्य एवं स्वतंत्रता सेनानी रहे –**
  1. न्यायमूर्ति कैलाश नाथ वांचू (जयपुर राज्य में मंत्री भी रहे व जयपुर से लोकसभा सदस्य भी रहे।)
  2. न्यायमूर्ति दौलत मल भण्डारी (1942 में जयपुर में आजाद मोर्चा भी बनाया था।)
- राजस्थान के वह मुख्य न्यायाधीश जो उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एवं रामट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष रहे –**न्यायमूर्ति जे. एस. वर्मा (निर्भया प्रकरण (2012) के पश्चात बनी समिति के अध्यक्ष)**
- राजस्थान के वह मुख्य न्यायाधीश जो विधि आयोग के अध्यक्ष रहे है –**न्यायमूर्ति ए. आर. लक्ष्मणन**
- राजस्थान के मुख्य न्यायाधीश व सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश रहते हुए सभी सिनेमा'ारों में रामट्रगान को अनिवार्य किया – **न्यायमूर्ति अमिताभ रॉय**
- मुख्य न्यायाधीश के रूप में सर्वाधिक कार्यकाल –**न्यायमूर्ति कैलाशनाथ वांचू (7 साल)**

❖भारत में 25 में से 8 उच्च न्यायालय हैं जिनकी एक या एक से अधिक खण्डपीठ (बैंच) है:–

क्र.स.	उच्च न्यायालय	मुख्यपीठ	खण्डपीठ
1	गुवाहाटी उच्च न्यायालय	गुवाहाटी	कोहिमा, ईटानगर, आइजोल
2	मुम्बई उच्च न्यायालय	मुम्बई	नगपुर, औरंगाबाद, पणजी
3	कर्नाटक उच्च न्यायालय	बेंगलुरु	धारवाड़, गुलबर्ग
4	मद्रास उच्च न्यायालय	मद्रास	मदुरेई
5	कलकत्ता उच्च न्यायालय	कलकत्ता	जलपाईगुड़ी, पोर्ट ब्लेयर
6	मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय	जबलपुर	ग्वालियर, इंदौर
7	इलाहाबाद उच्च न्यायालय	इलाहाबाद	लखनऊ
8	राजस्थान उच्च न्यायालय	जोधपुर	जयपुर

❖ गठन से लेकर वर्तमान तक के आयुक्तों का विवरण

क्र.स.	आयुक्त का नाम	कार्यकाल
1.	अमर सिंह राठौड़	1 जुलाई, 1994 से 1 जुलाई, 2000 तक
2.	एन.आर. भसीन	2 जुलाई, 2000 से 2 जुलाई, 2002 तक
3.	इन्द्रजीत खन्ना	26 दिसम्बर, 2002 से 26 दिसम्बर, 2007
4.	अशोक कुमार पाण्डे	1 अक्टूम्बर, 2008 से 30 सितम्बर, 2013
5.	राम लुभाया	1 अक्टूम्बर, 2013 से 2 अप्रैल, 2017
6.	प्रेमसिंह मेहरा	3 जुलाई, 2017 से निरन्तर

महत्वपूर्ण तथ्य :– राजस्थान के प्रथम व द्वितीय निर्वाचन आयुक्त के समय कार्यकाल 6/62 वर्ष था, लेकिन बाद में द्वितीय निर्वाचन आयुक्त ने सरकार को प्रस्ताव भेजा कि इसे 5/65 वर्ष किया जाए। सरकार ने स्वीकार करते हुए तीसरे निर्वाचन आयुक्त के समय से इसे प्रभावी बना दिया।

राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष

क्र. सं.	नाम	पद ग्रहण करने की तिथि	पद छोड़ने की तिथि	विशेमा विवरण
1.	न्यायमूर्ति सुश्री कांता भटनागर	23.03.2000	11.08.2000	मद्रास उच्च न्यायालय की पूर्व मुख्य न्यायाधीश
2.	न्यायमूर्ति एस सगीर अहमद	16.02.2001	03.06.2004	उच्चतम न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश
3.	न्यायमूर्ति एन.के. जैन	16.07.2005	15.07.2010	राजस्थान उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एवं मद्रास उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश
4.	न्यायमूर्ति प्रकाश टांटिया	11.03.2016	25.11.2019	राजस्थान उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश
5.	न्यायमूर्ति गोपाल कृष्ण व्यास	जनवरी, 2021		राजस्थान उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश

सदस्य

क्रमांक	नाम	पद ग्रहण करने की तिथि	पद छोड़ने की तिथि
1.	न्यायमूर्ति अमर सिंह गोदारा (कार्यवाहक अध्यक्ष)	07.07.2000	06.07.2005
2.	श्री आर.के. अकोदिया	25.03.2000	24.03.2005
3.	श्री बी.एल. जोशी	25.03.2000	31.03.2004
4.	प्रो. आलमशाह खान	24.03.2000	16.05.2003
5.	श्री नमोनारायण मीणा	11.09.2003	23.03.2004
6.	श्री धर्म सिंह मीणा	07.07.2005	06.07.2010
7.	न्यायमूर्ति जगत सिंह (कार्यवाहक अध्यक्ष)	10.10.2005	09.10.2010
8.	श्री पुखराज सेरवी	15.04.2004	13.04.2011
9.	श्रीएच.आर. कुरी (कार्यवाहक अध्यक्ष)	01.09.2011	31.08.2016
10.	डॉ. एम.के. देवराजन	01.09.2011	31.08.2016
11.	न्यायमूर्ति महेश चंद्र शर्मा (कार्यवाहक अध्यक्ष)	03.10.2018	29.04.2021
12.	श्री महेश गोयल	25.01.2021	–

❖ **महत्वपूर्ण तथ्य –**

- प्रथम अध्यक्ष – कान्ता भट्नागर
- वर्तमान अध्यक्ष – जी.के. व्यास
- वर्तमान सदस्य – 1. महेश गोयल (आईपीएस) 2. पद रिक्त।
- अध्यक्ष के रूप में न्यूनतम कार्यकाल – कान्ता भट्नागर
- पूर्व केंद्रीय मंत्री जो मानवाधिकार आयोग के सदस्य रहे है – नमोनारायण मीणा
- सदस्य के रूप में सर्वाधिक कार्यकाल – पुखराज सीरवी (7 वर्ष)
- सदस्य के रूप में न्यूनतम कार्यकाल – नमोनारायण मीणा (1 वर्ष)

मुख्य सचिव

- **प्रथम नियुक्ति –** 13 अप्रैल, 1949, के. राधाकृष्णन
- **सर्वाधिक कार्यकाल–** श्री भगवंत सिंह मेहता
- विपिन्न बिहारी लाल माथुर 4 मुख्यमंत्रियों के कार्यकाल में मुख्य सचिव रहे।
    1. श्री हरिदेव जोशी
    2. श्री शिवचरण माथुर
    3. श्री हरिदेव जोशी
    4. श्री शिवचरण माथुर
- **न्यूनतम कार्यकाल –**
    1. राजीव स्वरूप (122 दिन)
    2. निहालचंद गोयल (123 दिन)
- प्रथम राजस्थानी व्यक्ति जो राजस्थान के मुख्य सचिव बने – भगवंत सिंह मेहता
- अनुसूचित जनजाति से प्रथम मुख्य सचिव– ओम प्रकाश मीणा
- अनुसूचित जाति से प्रथम मुख्य सचिव– निरंजन आर्य
- प्रथम महिला मुख्य सचिव– श्रीमती कुशल सिंह

राजस्थान के महाधिवक्ता

1. जी.सी. कासलीवाल
2. लक्ष्मीमल सिंघवी (लोकसभा, राज्यसभा के सदस्य रहे, हाई– कमीश्नर यू.के में, पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित)
3. एस.के. तिवारी
4. पी.के. रस्तोगी
5. एस.के. तिवारी
6. ए.के. माथुर (कार्यवाहक)
7. एन.एल. जैन
8. डी.सी. स्वामी
9. एम.आर. काला
10. बी.पी. अग्रवाल
11. एस. एम. मेहता
12. बी.पी. अग्रवाल
13. एस.एम. मेहता
14. बी.पी. अग्रवाल
15. एन.एम. लोढ़ा
16. जी.एस. बाफना
17. एन.एम. लोढ़ा
18. एम.एस. सिंघवी

सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 की राज्य सूचना आयोग से संबंधित महत्वपूर्ण धाराएँ–

धारा	प्रावधान
15	संरचना
16	कार्यकाल
17	हटाने की प्रक्रिया
18,19,20,25	शक्तियाँ
19	अपील (प्रथम व द्वितीय अपील) अपील दो प्रतियों में दी जाती है।
19(1)	प्रथम अपील अधिकारी
19(3)	द्वितीय अपील अधिकारी
19(7)	राज्य सूचना आयोग के आदेश बाध्यकारी होगे
19(8)	अधिनियम के क्रियान्वयन हेतु लोकप्राधिकरणों को आदेश
25(1)	अधिनियम के क्रियान्वयन का पर्यवेक्षण
6(1)	सूचना प्राप्त करने हेतु आवेदन का प्रारूप

महत्वपूर्ण तथ्य –

- सर्वप्रथम स्वीडन द्वारा सूचना का अधिकार कानून – 1766
- सूचना का अधिकार लागू करने वाला प्रथम राज्य – तमिलनाडु (1996)
- राजस्थान में सूचना का अधिकार कानून – 2000 (अरूणा रॉय के मजदूर किसान शक्ति संगठन की महत्वपूर्ण भूमिका)
- भारत में सूचना अधिकार की प्रणेता, ब्यावर (अजमेर) से आंदोलन शुरु किया।
- 26 जनवरी 2001 से राजस्थान में लागू हुआ। नया अधिनियम 13 अक्टूबर 2005 को लागू हुआ।

- **प्रथम अध्यक्ष** – एम. डी. कोरानी
- **पूर्व अन्य अध्यक्ष क्रमशः–**

  1.एम.डी. कौरानी (अप्रैल 2006 – अप्रैल 2011)

  2. टी. श्रीनिवासन (सितम्बर 2011 – अगस्त 2015)

  3. सुरेश चौधरी (नवम्बर 2015– दिसम्बर 2018)

- **वर्तमान अध्यक्ष –** श्री डी. बी. गुप्ता (दिसम्बर, 2020 से)
- **वर्तमान सदस्य –** राजेन्द्र प्रसाद बरवड(03.10.2018 से), लक्ष्मण सिंह राठौड(04.10.2018 से), नारायण बारहठ(11.12.2020से), शीतल धनखड़(11.12.2020से)
- टी. श्रीनिवासन सदस्य व अध्यक्ष दोनों रहे।
- **आयोग के सदस्य रहे–** टी. श्रीनिवासन, पी.एल. अग्रवाल, चंद्र मोहन मीणा, आशुतोष शर्मा

राजस्थान के लोकायुक्त एवं उप–लोकायुक्त

क्र.सं.	नाम	अवधि
1.	न्यायमूर्ति श्री आई.डी. दुआ पूर्व न्यायाधीश उच्चतम न्यायालय	28.08.1973 से 27.08.1978
2.	न्यायमूर्ति श्री डी.पी. गुप्ता पूर्व मुख्य न्यायाधीश राजस्थान उच्च न्यायालय	28.08.1978 से 05.08.1979
3.	न्यायमूर्ति श्री एम.एल. जोशी पूर्व कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश राजस्थान उच्च न्यायालय	06.08.1979 से 07.08.1982
4.	न्यायमूर्ति श्री के.एस. सिद्धू न्यायाधीश राजस्थान उच्च न्यायालय	04.04.1984 से 03.01.1985
5.	न्यायमूर्ति श्री एम.एल. श्रीमाल पूर्व मुख्य न्यायाधीश सिक्किम उच्च न्यायालय	04.01.1985 से 03.01.1990
6.	न्यायमूर्ति श्री पी.डी. कुदाल पूर्व न्यायाधीश राजस्थान उच्च न्यायालय	16.01.1990 से 06.03.1990
7.	न्यायमूर्ति श्री एम.बी. शर्मा न्यायाधीश राजस्थान उच्च न्यायालय	10.08.1990 से 30.09.1993
8.	न्यायमूर्ति श्री वी.एस. दवे न्यायाधीश राजस्थान उच्च न्यायालय (न्यूनतम कार्यकाल)	24.01.1994से 16. 02.1994
9.	न्यायमूर्ति श्री एम.बी. शर्मा पूर्व न्यायाधीश राजस्थान उच्च न्यायालय	06.07.1994 से 06.07.1999
10.	न्यायमूर्ति श्री मिलाप चंद जैन पूर्व मुख्य न्यायाधीश दिल्ली उच्च न्यायालय	26.11.1999 से 26.11.2004
11.	न्यायमूर्ति श्री जी.एल. गुप्ता पूर्व न्यायाधीश राजस्थान उच्च न्यायालय	01.05.2007 से 30.04.2012

12.	न्यायमूर्ति श्री एस.एस. कोठारी पूर्व न्यायाधीश राजस्थान उच्च न्यायालय	25.03.2013 से 07.03.2019
13.	न्यायमूर्ति श्री प्रताप कृष्ण लोहरा पूर्व न्यायाधीश राजस्थान उच्च न्यायालय	09.03.2021 से निरंतर
उपलोकायुक्त		
1.	श्री के.पी.यू. मैनन आईएएस, पूर्व मुख्य सचिव	05.06.1978 से 26.04.1974
राज्य सतर्कता आयुक्त को उपलोकायुक्त के पद पर नियुक्त किया जाता था। **उप लोकायुक्त को सतर्कता आयुक्त का पद धारण करने की योग्यताएं होनी चाहिए।**		

❖ महत्वपूर्ण तथ्य –

- न्यायालय में प्रथम लोकायुक्त –आई.डी. दुआ
- प्रथम उप–लोकायुक्त –के.पी.यू. मेनन (पूर्व मुख्यसचिव)
- न्यूनतम कार्यकाल –विनोद शंकर दवे (26 दिन)
- सर्वाधिक कार्यकाल –एम.बी. शर्मा
- अन्य उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश जो न्यायालय में लोकायुक्त पद पर रहे –
  - एम.एल. श्रीमाल (सिक्किम उच्च न्यायालय)
  - मिलाप चन्द जैन (दिल्ली उच्च न्यायालय)
- सर्वोच्च न्यायालय के एक मात्र न्यायाधीश जो लोकायुक्त रहे –आई. डी. दुआ
- न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जो लोकायुक्त रहे –डी.पी. गुप्ता
- वर्तमान लोकायुक्त –पी.के. (प्रताप कृष्ण) लोहरा
- न्यायालय में 2014 में लोकायुक्त संस्थान को और अधिक सशक्त बनाने के लिए नरपतमल लोढ़ा समिति का गठन किया गया।
- लोकायुक्त को 5 वर्ष से पुराने मामलो में शिकायत नहीं की जा सकती है।
- लोकायुक्त स्वयं कार्यवाही करने में असक्षम है क्योंकि यह केवल सलाहकारी निकाय है। इसकी सलाह बाध्यकारी नहीं होती
- केन्द्र सरकार द्वारा 16 जनवरी 2014 को लोकायुक्त व लोकपाल अधिनियम –2013 लागू किया गया।
- प्रथम लोकपाल –श्री पीसी घोष
- सर्वप्रथम लोकपाल नाम –एल.एम. सिंघवी द्वारा सुझाया गया।